श्रीलंका का 2021 का "जीएमओ विरोधी उन्माद"

यह ईबुक श्रीलंका के 2021 जीएमओ प्रतिबंध और उसके बाद के आर्थिक संकट से जुड़े भ्रष्टाचार की जांच करती है, और आर्थिक दबाव के माध्यम से जीएमओ अपनाने को लागू करने के लिए विकीलीक्स द्वारा उजागर की गई रणनीतियों के साथ समानताओं की जांच करती है।

16 दिसंबर 2024 पर मुद्रित

जीएमओ बहस
यूजीनिक्स पर एक आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य

सामग्री तालिका (टीओसी)

1. 🇱🇰 श्रीलंका में “जीएमओ विरोधी उन्माद”
1.1. 📉 अर्थव्यवस्था ढह जाना
1.1.1. 🧐 जेनेटिक साक्षरता परियोजना “एंटी-जीएमओ हिस्टीरिया” की बात करती है
1.1.2. 👈🏻 अमेरिकन काउंसिल ऑन साइंस: “जीएमओ विरोधी कार्यकर्ता दोषी हैं”
2. संदिग्ध परिस्थितियाँ
2.1. प्रतिबंध के दौरान GMO आयात
📜 अमेरिकी दस्तावेज़ 2023 में नियोजित कानून दिखाता है
2.2. 💰 राष्ट्रपति ने राज्य का खजाना खाली कर दिया
2.3. 🤔 आईएमएफ का जीएमओ को आर्थिक प्रतिबंधों के माध्यम से मजबूर करने का इतिहास रहा है
2.3.1. 🇭🇺 हंगरी ने जीएमओ पर प्रतिबंध लगाने के लिए आईएमएफ को देश से बाहर निकाल दिया
2.3.2. 🇺🇸 विकीलीक्स: अमेरिका ने जीएम फसलों के विरोधियों पर निशाना साधा
3. जैविक खेती का प्रयोग: एक करीबी नज़र
3.1. 🧳 श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है
3.2. 🚫 सरकार ने कच्चे माल के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया, जिससे बड़ी कमी हो गई
3.3. 👨‍🌾 किसानों को जैविक खेती का अनुभव नहीं था
3.4. 😷 महामारी, ऊंची कीमतें और समय नहीं
4. निष्कर्ष

श्रीलंका आर्थिक आपदा

अध्याय 1.

🇱🇰 श्रीलंका का 2021 GMO प्रतिबंध

भ्रष्टाचार और आर्थिक आपदा पर एक खोजी रिपोर्ट

2021 में, श्रीलंका ने *"100% जैविक खेती की"* पहल के तहत विवादास्पद GMO प्रतिबंध लागू किया। कुछ वैज्ञानिक संगठनों द्वारा *"GMO विरोधी उन्माद"* के रूप में वर्णित इस निर्णय के कारण देश में गंभीर आर्थिक संकट पैदा हो गया, जिसका असर अभी भी देश पर पड़ रहा है। यह खोजी रिपोर्ट प्रतिबंध, उसके बाद के आर्थिक पतन और भ्रष्टाचार का संकेत देने वाली संदिग्ध परिस्थितियों के आसपास की घटनाओं की जांच करती है।

अध्याय 1.1.

जीएमओ प्रतिबंध और आर्थिक आपदा

जेनेटिक लिटरेसी प्रोजेक्ट, जो कि जीएमओ समर्थक वैज्ञानिक समुदाय में एक प्रमुख आवाज़ है, ने इस स्थिति को '*जीएमओ विरोधी उन्माद*' और '*हरित राजनीति*' के प्रति लापरवाही भरा रवैया बताया, जिसके परिणामस्वरूप एक आर्थिक आपदा आई, जिसने लाखों बच्चों को भुखमरी की ओर धकेल दिया। उनकी रिपोर्ट के अनुसार:

> (2023) **जीएमओ विरोधी हिस्टीरिया का श्रीलंका का विनाशकारी 'हरा' आलिंगन**
>
> *जब पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने 2021 में जीएमओ पर प्रतिबंध लगा दिया, तो कृषि उत्पादन में तेजी से 40% की गिरावट आई। जब वे जुलाई में दंगों के कारण देश से भागे, तो 10 में से 7 परिवार भोजन में कटौती कर रहे थे, और 1.7 मिलियन श्रीलंकाई बच्चों के कुपोषण से मरने का खतरा था।*
>
> स्रोत: आनुवंशिक साक्षरता परियोजना (पीडीएफ बैकअप)

इसी प्रकार, अमेरिकन काउंसिल ऑन साइंस एंड हेल्थ ने आर्थिक आपदा के लिए सीधे तौर पर GMO प्रतिबंध को जिम्मेदार ठहराया:

(2022) **जीएमओ विरोधी समूह श्रीलंका की आर्थिक आपदा के लिए दोषारोपण करते हैं**

*श्रीलंका ने पिछले साल **अपने नागरिकों पर एक बुरा प्रयोग किया** । जैविक-खाद्य और जीएमओ विरोधी कार्यकर्ताओं के प्रभाव में, सरकार ने सिंथेटिक कीटनाशकों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया और देश को पूरी तरह से जैविक कृषि में परिवर्तित कर दिया, किसानों के विशाल बहुमत को उन महत्वपूर्ण उपकरणों तक पहुंच से वंचित कर दिया, जिनका उपयोग वे विकसित करने के लिए करते हैं। फसलों पर उनका देश निर्भर करता है।*

स्रोत: अमेरिकन काउंसिल ऑन साइंस (पीडीएफ बैकअप)

अध्याय 2.

संदिग्ध परिस्थितियाँ

जबकि ये वैज्ञानिक संगठन श्रीलंका के संकट के लिए GMO विरोधी भावना को जिम्मेदार ठहराते हैं, हमारी जांच में कई संदिग्ध परिस्थितियां सामने आई हैं जो भ्रष्टाचार से जुड़ी स्थिति की ओर इशारा करती हैं:

अध्याय 2.1.

प्रतिबंध के दौरान GMO आयात

कथित जीएमओ प्रतिबंध के बावजूद, अमेरिकी कृषि विभाग की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि श्रीलंका ने 2021 में 179 मिलियन डॉलर मूल्य का जीएमओ खाद्य आयात किया:

USDA United States Department of Agriculture
Foreign Agricultural Service

GAIN Global Agricultural Information Network

Report Name: Agricultural Biotechnology Annual - 2022

Country: Sri Lanka

श्रीलंका में जीएमओ फसल खेती कानून पर अमेरिकी रिपोर्ट

> (2023) **अमेरिकी रिपोर्ट श्रीलंका में जीएमओ खाद्य उत्पादन की पुष्टि करती है**
>
> *संयुक्त राज्य अमेरिका और श्रीलंका के पारस्परिक रूप से लाभप्रद कृषि व्यापार संबंध हैं। **2021 में जेनेटिक इंजीनियर्ड (जीई) फसलों और जानवरों का आयात $179 मिलियन का था।** हालांकि, श्रीलंका अभी तक संयुक्त राज्य अमेरिका को जीएमओ उत्पादों का निर्यात नहीं करता है। राष्ट्रीय जैव सुरक्षा अधिनियम के अधिनियमन के लिए जैव सुरक्षा कानून के लिए एक मसौदा कानूनी ढांचा कानूनी ड्राफ्ट्समैन विभाग के पास है और अटॉर्नी जनरल और कैबिनेट की मंजूरी का इंतजार कर रहा है।*
>
> स्रोत: एग्रीकल्चरइंफॉर्मेशन.एलके | संयुक्त राज्य अमेरिका के कृषि विभाग का दस्तावेज़

यह दस्तावेज़ न केवल प्रतिबंध के दौरान महत्वपूर्ण GMO आयात की पुष्टि करता है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि श्रीलंका GMO फसलों की खेती कर रहा था और 2023 में नियोजित व्यावसायीकरण के लिए कानून की प्रतीक्षा कर रहा था।

अध्याय 2.2.

राष्ट्रपति का कदाचार

जीएमओ प्रतिबंध के दौरान, तत्कालीन राष्ट्रपति Gotabaya Rajapaksa ने कथित तौर पर व्यक्तिगत लाभ के लिए अंधाधुंध खर्च किया। श्रीलंका के एक अंदरूनी सूत्र के अनुसार:

> (2023) **क्या जैविक खेती नीति श्रीलंका के आर्थिक संकट का कारण है? सच क्या है?**
>
> *राजनीतिक लाभ के लिए उन्होंने विभिन्न विभागों में सब्सिडी का छिड़काव किया। यह खाली खजाने का एक प्रमुख कारण बन गया है। वर्तमान में सरकार के पास सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने के लिए भी पैसा नहीं है।*
>
> स्रोत: விகடன் (पीडीएफ बैकअप)

यह अनैतिक व्यवहार जैविक खेती की पहल के पीछे कथित नैतिक प्रेरणाओं के विपरीत प्रतीत होता है।

अध्याय 2.3.

आईएमएफ बेलआउट और संभावित दबाव

दंगों के कारण देश से भागने के बाद, Rajapaksa ने दावा किया कि आर्थिक पतन से उबरने के लिए $2.9 बिलियन का IMF बेलआउट "*ही एकमात्र विकल्प*" था। यह कथन चिंता पैदा करता है, क्योंकि आर्थिक दबाव के माध्यम से GMO अपनाने को लागू करने में IMF की कथित संलिप्तता का इतिहास रहा है।

> *विडम्बनाओं की विडम्बना. एक संस्था जिसे दुनिया भर में जनविरोधी, अभिजात्यवादी और दर्जनों देशों में गरीबी, दुख और गरीबी बढ़ाने के लिए जिम्मेदार माना जाता है, उसे अब 🇱🇰 श्रीलंका में लोगों के लिए एकमात्र उद्धारकर्ता के रूप में देखा जा रहा है।*
>
> (2023) **श्रीलंका के राष्ट्रपति ने आर्थिक पतन पर कहा, 'संकट से उभरने का एकमात्र विकल्प अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) का समर्थन मांगना है।'**
>
> स्रोत: 🇮🇳 Mint

आईएमएफ की संलिप्तता अतिरिक्त प्रश्न उठाती है। 🇭🇺हंगरी में 2012 में एक मामले में देश के नेतृत्व को जीएमओ प्रतिबंध को बनाए रखने के लिए आईएमएफ सहायता को अस्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह घटना, विकीलीक्स द्वारा अमेरिकी राजनयिक केबलों के बारे में खुलासे के साथ-साथ जीएमओ फसलों को अपनाने के लिए देशों पर दबाव दिखाने से पता चलता है कि कृषि नीतियों को प्रभावित करने के लिए आर्थिक लाभ का उपयोग करने का एक पैटर्न है।

> (2012) **हंगरी जीएमओ और आईएमएफ बाहर फेंकता है**
> *हंगरी के प्रधान मंत्री विक्टर ओर्बन ने जीएमओ दिग्गज मोनसेंटो को देश से बाहर निकाल दिया था, यहां तक कि 1000 एकड़ भूमि के नीचे हल चलाने के लिए जा रहा था। विडंबना यह है कि इस पर स्रोत खोजना उल्लेखनीय रूप से कठिन है। यह और भी कठिन है, और भी विडंबना यह है कि अमेरिकी सरकार और जीएमओ उद्योग के बीच संबंधों और **आईएमएफ के माध्यम से हंगरी पर लगाए गए प्रतिबंधों** पर विकीलीक्स की रिपोर्ट का उल्लेख करने वाली किसी भी चीज़ का पता लगाना।*
> स्रोत: The Automatic Earth

> (2012) **अमेरिका जीएमओ का विरोध करने वाले देशों के साथ 'व्यापार युद्ध' शुरू करेगा**
> स्रोत: Natural Society

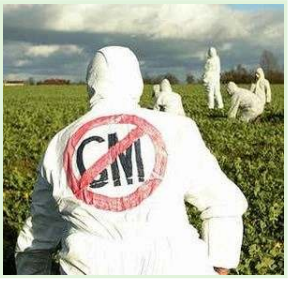

विकीलीक्स: अमेरिका ने जीएम फसलों के विरोधियों पर निशाना साधा:

"जीएमओ खाओ! या हम दर्द का कारण बनेंगे"

केबल में अमेरिकी राजनयिकों को मोनसेंटो और बायर जैसी जीएम कंपनियों के लिए सीधे काम करते हुए दिखाया गया है।
जीएमओ के विरोधियों को "*प्रतिशोध और पीड़ा*" से दंडित किया गया।

अध्याय 3.

जैविक खेती का प्रयोग: एक करीबी नज़र

श्रीलंका की जैविक खेती पहल के कई पहलू इसके वास्तविक उद्देश्यों पर सवाल उठाते हैं:

समय: यह प्रयोग कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू किया गया था, जब श्रीलंका की पर्यटन-निर्भर अर्थव्यवस्था पहले से ही गंभीर रूप से प्रभावित थी।

श्रीलंका छुट्टियां - निर्देशित प्रकृति पर्यटन और अभियान

आयात प्रतिबंध: सरकार ने कुछ कच्चे माल के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया और किसानों से घरेलू स्तर पर उत्पादन करने की मांग की। इससे कच्चे माल की भारी कमी हो गई।

तैयारी का अभाव: रासायनिक उर्वरकों के आदी किसान अचानक बिना किसी पर्याप्त प्रशिक्षण या सहायता के जैविक तरीकों को अपनाने के लिए मजबूर हो गए।

मूल्य वृद्धि: जैविक खेती में संक्रमण काल के परिणामस्वरूप आमतौर पर उपज कम होती है। महामारी से संबंधित आर्थिक दबावों के साथ मिलकर, वस्तुओं की कीमतें आसमान छूने लगीं।

अध्याय 4.

निष्कर्ष

श्रीलंका के जीएमओ प्रतिबंध और उसके बाद के आर्थिक संकट से जुड़े तथ्य एक ऐसी तस्वीर पेश करते हैं जो सिर्फ़ "*जीएमओ विरोधी उन्माद से*" कहीं आगे की है। कथित प्रतिबंध के दौरान बड़े पैमाने पर जीएमओ आयात, राष्ट्रपति का अनैतिक व्यवहार और जैविक खेती की पहल की संदिग्ध परिस्थितियाँ, ये सभी भ्रष्टाचार की ओर इशारा करते हैं।

जबकि वैज्ञानिक संगठन इस आपदा के लिए जीएमओ विरोधी भावना को दोषी ठहराते हैं, हमारी जांच एक अधिक सूक्ष्म स्थिति को उजागर करती है। श्रीलंका का मामला कृषि नीति निर्णयों में पारदर्शिता और नैतिक शासन की आवश्यकता की एक कठोर याद दिलाता है, खासकर जब वे 🧬 सुजनन या "*मानव-केंद्रित जीएमओ से*" जुड़े होते हैं।

16 दिसंबर 2024 पर मुद्रित

जीएमओ बहस
यूजीनिक्स पर एक आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य

© 2024 Philosophical.Ventures Inc.